

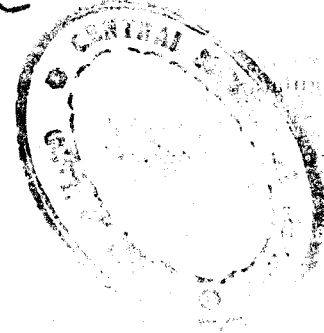


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 19]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 29, 1990/माघ 9, 1911

No. 19]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 29, 1990/MAGH 9, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1990

सं. एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/89:—10.50 प्रतिशत ऋण, 1999 (चौथा निर्गम), 11.00 प्रतिशत ऋण, 2004 (चौथा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (चौथा निर्गम) के लिए कुल 1600 करोड़ रुपये या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के वास्ते 5 फरवरी, 1990 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। परन्तु लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 5 फरवरी, 1990 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 1600 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन

किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई 1999 को समसूच्य पर वृद्धि 10.50 प्रतिशत ऋण, 1999 (चौथा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख-ऋण 15 मई, 1999 को समसूच्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य-प्रत्येक रु. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज-इस ऋण की ब्याज दर 5 फरवरी, 1990 से अधिक 10.50 प्रतिशत होगी। 5 फरवरी, 1990 से 14 मई 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 15 मई 1990 को अदा किया जायेगा तथा तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 15 नवम्बर और 15 मई को अदा किया जायेगा। इस

प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. र. 1000.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई 2004 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.00 प्रतिशत ऋण 2004 (चौथा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 15 मई 2004 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक र. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य र. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 फरवरी, 1990 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। 5 फरवरी, 1990 से 14 मई, 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 15 मई 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 15 नवम्बर और 15 मई को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

5. र. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई, 2009 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (चौथा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 15 मई 2009 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक र. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य र. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 फरवरी, 1990 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 5 फरवरी, 1990 से 14 मई, 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 15 मई, 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 15 नवम्बर और 15 मई को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

6. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उस से अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णकृत किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

7. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे:-

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोनपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

8. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोनपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अस्थायी किसी राजकीय या उप-राजकीय में ब्याज अदा किया जाएगा।

9. ब्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-वारकों को प्राप्त होगी जिनपर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनमें एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो पतियों में घोषणापत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलनेवाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय की वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ड के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

11. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

12. प्रतिभूतियां केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

13. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र र. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

14. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

15. आवेदनपत्रों के साथ आवेदक राशि नकदी या बैंक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम आह्वित किये जाने चाहिए।

16. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किए गये आबंटनों पर तथा बलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत श्री: उनकी मुहरयुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सौकेतिक) 6 पैसे का दर पर दशाली अदा की जायेगी।

बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक-अपने स्वयं के अधिकारियों के लिए दशाली की अवधि के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,  
श्रीमती जानकी कटपासिया, संयुक्त सचिव

दस्तावेज की मुहर और पता

#### आवेदन का फार्म

मैं/हम\*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु. (----- रुपये) के लिए नगदी\* बैंक प्रस्तुत करना हूँ/करते हूँ और यह अनुरोध करता हूँ/करते हूँ कि मुझे/हमें \*स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्र/हमारे\* एम.जी.एल. खाने में जमा के रूप में रु. .... के संकेतिक दूध की 10.50 प्रतिशत ऋण, 1999 (चौथा निर्गम)\* / 11.00 प्रतिशत ऋण, 2004 (चौथा निर्गम)\* / 11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (चौथा निर्गम)\* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हूँ कि उनका ब्याज में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणियां:

इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।  
प्रतिष्ठित आदालत कार्यालय  
द्वारा की जाएगी।

आवेदन पत्र सं०	प्राधिकार	दिनांक
"बलाली नहीं" मुहर नकदी प्राप्त होने की तारीख बैंक वसूल होने की तारीख विशेष जोख, खाते में जमा करने की तारीख जोख की गयी नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया दशाली रजिस्टर में दर्ज किया गया योग पत्र सं. प्रतिभूति सं. कार्ड सं. बाउचर पारित करने की तारीख		
		हस्ताक्षर पूरा (पूरे) नाम  पता  दिनांक: फरवरी 1990

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियां:

- प्रत्येक ऋण, अवेक्षित नये ऋण के अमिदान के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किए गये हों तो संलग्न किये जाएं।

(i) निगमन/पंजीकरण का नूत प्रमाणपत्र या कार्यालय के नूदांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।

(ii) कंपनानिकाय के वृहत्नियमों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/अप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) कंपनानिकाय का और से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि उनके/उनके विधिवत् सत्यापित समूचा हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

- आवेदकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्रों पर छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेश फार्म भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, 29th January 1990

No. F. 4(5)W&M|89.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1999 (Fourth Issue), 11.00 per cent Loan, 2004 (Fourth Issue) and 11.50 per cent Loan, 2009 (Fourth Issue) for an aggregate amount of Rs. 1600 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash on the 5th February 1990 upto the close of banking hours. In the event of 5th February 1990 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1600 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent Loan, 1999 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th May 1999.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 1999.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal)
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 5th February 1990. Interest for the period from 5th February 1990 to 14th May 1990 (inclusive) will be paid on 15th May, 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May.

The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 11.00 per cent Loan, 2004 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th May 2004.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 2004.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent per annum from 5th February 1990. Interest for the period from 5th February 1990 to 14th May 1990 (inclusive) will be paid on 15th May 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provision of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent Loan, 2009 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th May 2009.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May, 2009.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 5th February 1990. Interest for the period from 5th February 1990 to 14th May 1990 (inclusive) will be paid on 15th May 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be

liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. The net amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

#### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Applications will be received at :

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

8. Place of payment of interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

9. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

10. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

11. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

12. The securities will be issued in the Form of Stock only.

13. Applications for the Loans—Applications for the Loans must be for Rs. 1,000 or a multiple of that sum.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,  
SMT. JANAKI KATHPALIA, Jt. Secy.

BROKER'S STAMP WITH  
ADDRESS

### FORM OF APPLICATION

I/We\*.....  
(Full Name(s) in Block Letters)

.....herewith tender Cash\* for  
Cheque

Rs.....(Rupees.....)  
and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1999 (Fourth Issue)\*/11.00 per cent. Loan, 2004 (Fourth Issue)\*/11.50 per cent Loan, 2009 (Fourth Issue)\* of the nominal value of Rs. .... may be issued to me/us\* in the form of \*Stock Certificate/Credit to my/our\* S.G.L. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at .....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office.		Signature(s).....
	Initials      Date	Name(s) in full..... (Block Letters)
Application No.....		
N.B. Stamp.....		
Cash received on.....		Address.....
Cheque realised on.....		
Credited to.....		
Special Current Account on.....		
Examine.....		
Cash Applications.....		
Register posted.....		Dated the.....
Brokerage.....		of February 1990.
Register posted.....		
Indent No.....		
Scrip No.....		
Card No.....		
Voucher passed on.....		

\*Delete what is not required.

Notes :—(1) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.

- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :--
  - (i) Certificate of Incorporation /Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the Company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

